

DPN 5814

Title: चचाम्ये व विधि सप्त् CACĀ MYE VA VIDHĀ SAPHĪ

Run. No. 6505

Cat. No.

Micro. No.

Subject चच व विधि
Cachamye V Vidhi

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 22.5 x 9

Folios 16

Lines (in a page) 6/7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

सुशिलवीरसिं कसा:

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Cms.

5

10

15

20

वसुधैव कुटुम्बकम् / Vasudhaiva Kutumbakam

✓ एतन्मन्त्रं गावर्धन

✓ विमान

दुःखं समाप्तं वसुधैव कुटुम्बकम्

✓ इति वसुधैव कुटुम्बकम्

✓ इति वसुधैव कुटुम्बकम्

✓ इति वसुधैव कुटुम्बकम्

✓ इति वसुधैव कुटुम्बकम्

✓ इति वसुधैव कुटुम्बकम्

क्वापकयेयाकीउन्किरुवृदअथापुवसुवहाससहंग॥ ॥सहजसहृहवयामादान
 कर्तृपाहीरुवृदववनयसादश्यहमातिगामयीउन्किरुवृदविवाहायिहून्यकवृमा
 ॥२१॥ ॥यमरुविवगाति॥गावदिद्रुवासुविगवृलिहावीडाहवनादिगहूसमयकः
 वृमाहृशविहृदयगिकसोसलदद्ववध्याधिइकिरुयध्वंसनं॥ ॥याहाधवीधमदि
 यामवीउवजागाश्कनायायनाहसलमावकथं॥ ॥वीकककवयडाकापिनयहृः
 लीकिकलाकारुवगियानंश्यविगमालिवलिरगविहान्कयलहिनसमुलवीडव॥

१८०० (१८००) ॥ नंदनं यासादं नाथ जीयु कलुषयाय नः। उद्धृतं नरकसत्त्वैर्हरवकलासिद्धयः ॥ ॥ मूल
(१८००) ॥ मोनायुद्धवद्विहारी नरवक्त्रं यथाति गोपिनिष्ठा मधुलहारी, अनारक्ष्यो वगैः क। यामानुष्यनरिनिर्लस्यं मु

[illegible]

कलि
गवडा
नय

॥ मिथ्याहवा मित्रो ॥

[illegible]

कूबीज
संख

॥ गगनवाक् यक्षकायय ॥ रागकदाय ॥ नाययकदाय ॥ हूं वीज संख वधववधुं ॥
वृद्धवचनाम महाकाधवाजा ॥ ॥ नमामि धी नदवीधवा ॥ २३ नमस्त्व विनामिना ॥
म ॥ चक्रवर्धुना कवीजसंजाग ॥ २४ कालामाचिनाम महाकाधधवा ॥ २५ ॥ अमिवल
वग महाकाधवाजा ॥ २६ संवीजसंखग महाकृत्वकवधुं ॥ २७ ॥ चक्रवर्धुना ॥ २८
अमिडीमगवधुं महाकाधधियं ॥ २९ ॥ अयवाजिगनाम महाकाधवाया ॥ ३० कवीजसं
खग अजीनवधुं ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

वाया ॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

वज्रम
यस्य

यक्षरुगवन्विद्यायाजकैरुटः कारयकारयअविक्तदयं॥ ॥रुगकवाजियचिरुडक्रियः
 वजयाकारकैर्वैरुटः १२२२दिगमाययवायययः सर्वविद्यकमस्तुय॥ ॥गगधनिववध
 कलिनिवासिः वजविमानकैर्वैरुटः वजययेरुटः यैरुटः कलिनायिः वजसवजायगंसंयौ॥
 ॥की० निमधुलवायवीयधनः सर्वसत्त्वदिययमादकयः १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥
 रुगविद्यविद्यादार्थदगदिग्दिग् कीलय॥ १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥

पूर्व
 गुमा
 वि

महाकाशयः मेगीरु वधदधादिधगमनं १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥
 रुगविद्यविद्यादार्थदगदिग्दिग् कीलय॥ १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥
 रुगविद्यविद्यादार्थदगदिग्दिग् कीलय॥ १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥
 रुगविद्यविद्यादार्थदगदिग्दिग् कीलय॥ १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥
 रुगविद्यविद्यादार्थदगदिग्दिग् कीलय॥ १२२२गगुपूअरुगधिवीरग
 धयियाः एनयिलिलावजरुमिष्ठाधनय॥ १२२२ ॥ ॥रुगिर्मुमिष्ठाधनविधि॥ ७॥

दावृत्तं यथाधियनिगंधासकवर्धं ॥ ३ ॥ विदिगं नवजविजयं कूकावकिवधदं
 गसूचं ॥ अदृढसंभनमहाहमि रूगाधियनिगंधलीययर्कं ॥ ४ ॥ मय
 नादवजकाधमहावीवाहाहादूहासंभगेरीमनादं शददनाधियनिगंधयचिवावा
 सर्वमावचियूगगाठयर्कं ॥ ५ ॥ काधमहादववजविकमायनधावगर्जनरूटघावं ॥ ६ ॥
 सदादिदृष्टमावाविद्वदयरुदियमहासखलीनवियं ॥ ७ ॥ जयवजकाधमनिबोदवृयं
 वरुयगावधसर्वसलदं ॥ अनिलावाजमावाविचदृष्टदोक्तयायविघ्नवर्धं ॥ ८ ॥ ३

यवकवर्धं उद्वंसिर्गविश्रुदाकावरासवकिवर्धं शदवादि सगंधयचिवावचयूथमावाविचदृष्ट
 संवृत्तं ॥ ३ ॥ अधः संरुवाजवजमहावीवायागालवासिनं मावहवर्धं ॥ ४ ॥ सायचियूवयदा
 नयनिचसर्वसंयलिकवमाकुरुलदं ॥ ५ ॥ १६ ॥ रवागमधूमन ॥ नावदूर्जमान ॥ यमदिगा
 दिदं रूमिसद्वीसनमप्रमधुलसंस्तिगवयमा ॥ शदादं रूचववदनसंभारिगावजवावादीः
 कलुअलिर्गं ॥ ॥ हूं हूं हूं दं ॥ दिगसूचं ॥ मावसयवसंभधियाव ॥ १६ ॥ दं ॥ अलिर्गं ॥ अद्वय
 संरावनावायिदानधीसंभवाया ॥ ॥ कलियधगजवर्माविधूवाकवनिउमप्रसंरु ॥ रिगा

यम
 दिन

१ मङ्गलपूजि न कया लखदा (अ) या न य व धु व क णि वं य द ह ॥ ॥ ये के जि न व व म कू ट अ लं क न
 ॥ य उ म द अ र व ध वि रु धि मा १ अ लिका लि द यि अ ली ट वा य यि आ य व र्म नि व स न कृ क न न ॥
 ॥ न य णि व मा व अ ल म धी स म व दिय व कृ णि धि क पू ण दि या १ उ म उ म मा पू र्ण इ या य ण
 ॥ व ल ग व किय व मा दि व क गी ना ॥ २० ॥ ॥ र्गि की ल न वि धि ॥ ॥ क मा व स धा वा धि वा स
 नं कृ णि ॥ १ वा ग म ला उ ॥ ना व ॥ ग ध म धु ल म (अ) र्वा का व र्म जा ग १ उ क मू ख व ट रु ड, य थि वी द वी ॥
 ॥ उ क हि म ला द वी, य थि वी मा ग यि, १ म र्वा व ल र्म पू र्ण वि रु धि धो ॥ ॥ यी ग व र्म सो म्य रू

गधम
धुन

यी य थि वी द वी, १ म श म रु य क प ला क रं गा व धी ॥ ॥ क न क रु द य ट वा म क व धा यी १ म श क
 प ला क रं गा व धी ॥ ॥ दि या ल क्श व वि रु धि न द हा १ हा व नू य व नि र्वा ष व म धा वा ॥ २८
 ॥ पू नः क ल ण धि वा स नं का व य ॥ १ वा ग रू व वि ॥ ना व उ क ॥ नि र्मा ण मू र्ज म (अ) रा ग क ल ण, य के
 मृ ग म य य वि यू रि मा १ वि ध म य ग र्जि र यं व य ल व नी ल व र्ण व ज णि व सि था यि ना ॥ ॥ रू रू
 क व रु व डा वा र्थ म रु वि न्या सि मा, क र्म व डी स दि ग य रू ख पू यि धी १ व ज णि क्रा रि म ग य वि यू र्ण
 गु ना रु व स म ड क व ध यि म ल रु व र्ण ॥ ॥ पू र्व द ल ग र यं व म ग म र्वा जि ना, य के विं ण गि रु दि

निर्मा
मी मू र्ज

नवद्वकार्यं २ दक्षिणदल गगनवज्रसमव्यूहं विरुवनसमपमयायविष्णुद्वि ॥ ॥ यष्टिमदलः
 गगनं सै (॥) धिधवववर्धुमिद्विचमराडिगा २ डरुवदल गगनं ॥ अधावनादिर्गहनसव्यूहिनीवे
 ध्वजननी ॥ ॥ अश्यादिदल गगनं सै गयीमावृष्ट्यामवर्धुवज्रस्त्रायिया २ यष्ट्यविन्यासिगवि
 धमययूडिगा यधमासिचक्रसहस्रिचसंधृगा ॥ २२ ॥ ॥ गिरिचंगधिवारासनविधिः ॥ ॥
 यूनर्दवगाधिवारासनं कथ्या ॥ २ वागर्धगायमाचक्षिप ॥ गायमाथ ॥ विचक्रविष्णुमधुलमायुष्टि
 निजानदमूनिधवा २ वज्रवायादी जलिनी हसमचनानावग्निमहाकला ॥ ॥ गेनाद्वैदं

गेनाद्वैदं २ गेनागेनद्वैदं ॥ ॥ नीलवर्धुचक्रवर्धुयुनिमूहविनयवमानदमूनिधवा २
 विष्णुवज्रजर्ध्ववदकटामकूटधनी लाज्जारावधमूनिगा ॥ ॥ वज्रघी ० वज्रचर्म उमवृहद्वं
 वावमानदमूनिधवा २ वक्रगिकयालयवशुयागविगूयवक्रगिरिचंगधिवारायावचर्मकटिविष्टिगा ॥
 ॥ दिगविदिगकाकायादियमजकिनीदवी सरुजानदमूनिधवा २ नमानिनमामिचीवक्रसम
 वसगयुववधज्जाधिया ॥ ३० ॥ ॥ गिरिदवगाधिवारासनविधिः ॥ ॥ अश्वसवर्धु

विचक्र

विरुवनरुद्रयकृन् यरुवादा विरुवनरुद्रयकृन् वीरवी वा शि विरुवननवनाश्रयस्यसा
 डि वरुद्रियकृन् काकाया ॥ ॥ अदिनिधि मरुयुत्रुवा लरुन् गो कृदि गवाला वा लावे २
 ऊमनवधरुयवधनकादि (गो वरुयमापू अगियसं ह देवा ३२ ॥ २ वा वलति गवा लाव ॥
 अनुरुवगथमावीका वरुसं लाव वलपूया विनिग विविषक सार्धं २५ अः हू का ववडा मृग डव
 की सय सं (ग) धिग हू न मृमयं ॥ ॥ वडा मृग वरुवा धि कृत्त दा यक स वडिन था यित सहज
 वलार्ध २५ गग मल (ग) धि क हू न क पू (ग) ड व सं सा वना न विव क पूर्य ॥ ॥ वडयव

ਸ੍ਰੀ
ਲਖੇ

इकावरी
गान

कमल
यदल

समिप्रय

मङ्गलिन

[illegible]

१५५ कूद
ह न

निर्माणा
ली

सादग
गुरु

श्वकृत्तनाययधनवायीयवववववववमाया॥ ॥कलितुवज्जिवगवडडुनजसवः
 ला,माज्जवज्जकवाठकल्लिगा २धवधीवापुहोयवधमहाइतासने, ॥दुयमज्जदिगयकधन
 दा॥ ॥अज्ञासवकीणिबंधवियाज्जमियककुला, ककुलतसेरुवरागमाता २गुजवकवय
 वनकटीयज्जमायसिद्धि, ॥द्विद्यज्जद्विद्यवियरु॥ ॥धर्मसेरागानिर्मातवककडुवमः
 ला,माहासहवकज्जगमयया २होदववववववनामवव, अज्ञप्रधसयवडडवधा॥ २१॥
 श्वकृत्तनाययधनवायीयवववववववमाया॥ ॥रुवतनिधिमधुसवापुह, सधुदलदिबधसकहात २कनककहि
 कामास्ययकवतवीज, वदुमकुलायवियकलिनवेत्य॥ ॥नमासिधीधर्मधुदियु

रुवज्जल

वनयायिग,यकेरुधयकेरुहानखपूय २यकेरुजिनयेवमपूनिधवा, अनगमद्विसिद्धिवलय
 सादा॥ ॥मधीगुक्कधवीदवीजगमजननी, अष्टमहाययद्विरुदवधी २धर्मगिरिविधिय
 ययविरुहिया, कक्षावनिगीथयेरुस्ययेरु॥ ॥वज्जसवदसाहुलीअधिष्ठानवागमनिगी
 थसिद्धिरुर्ग २अष्टमहावीगवागस्ययेरु, कीर्थदादधनदीसैगमले॥ ॥सैरुवजाज्जवाय
 धनिमिगेवयेरु, धानिकयावयेरुयवियालिका २येवयूत्रियेकेदवगास्वायिगा, अनगदवाल यः
 रुमियसिद्धा॥ २२॥ ॥श्वकृत्तनाययधनवायीयवववववववमाया॥ ॥रुवतनिधिमधुसवापुह, सधुदलदिबधसकहात २कनककहि
 माहधवीवृषवादान, वदुधवलनिधुवदुस॥ ॥कृत्तनाययधनवायीयवववववववमाया॥

यूवज्जल
यनि

15

01

0

अहं रे वव गधयमिसदि ना २ अहं अदि अहं धमा क्रयदागा, समप्रक याय रुय रुय र्धं ॥
 ॥ यष्टिमं र्दयती रुस्ति वाहानं कं क मवर्ध विजय रु र्धं २ द क्रि वा वादी धन धा व प्र यू यीः
 अहं क्षमदि ग मदि वा सनी ॥ ॥ ॐ न वरु काय वी धूम वरु क व मि मूधु व वा व रु म प्रूः
 सादि ना २ अग्निदि हा का माली मयू व वाहानं प्र क ला का व र्धं हा कि रु र्धं ॥ ॥ ने अ ह्य वे रु वी ग
 प्रु व वा हा ही ॥ ॥ म व र्धं ग ज व क धा वी २ वा य य वा मूधु द वी कं का व व द नी सिं रु वा हा ही ह्यः
 प्रु रु र्धं ॥ ॥ अहं क ल ना गा म घ वृ का दि क्रय या व न व इ म द वी २ य ध मा मि द वी ही या द
 व क्रि धा नी अदि या व रु गु मि मूधु मि य स्य सि डि का र्थ ॥ २२ ॥ ॥ या ग माल व ॥ व जी धा वी व गा व रु मि २

सिंदिनी या सिंही उ मू क ड ल कि नी ॥ ॥ न मा मि ही या गा म व रु न न ध्य वि या र्थ मि सि न य
 द वी सिं रु व न य यि ष्ठ ॥ ॥ य र्धं ड रु व य ष्ठि म द क्रि हा दि ग द वी २ अ कि नी दी यि नी वी
 यि नी क म्हा जि नी ॥ ॥ व रु व दि ग रु क रु व रु व वी २ मि सि मि सि ना व कि द वी व यि
 या ॥ ॥ ह वि रु व व रु ॐ रु अ म् व ग हा र्था द हा द व स म व ह स र्था व ॥ २० ॥ ॥ या ग म
 ला रु ॥ मि द ल य द्रा य वि हा व रु द य हा मि म रु ला २ ॥ ॥ अ का व वी उ र्ज ज ग रु रु व र्धं म ल
 शु मि ॥ ॥ न मा मि ही ने वा ला द वी सिं रु व न म् व न य य जि ना २ अ ह म ल रु य दू वि ग रु य
 (ह) अ डि सि डि व ल य सा दा ॥ ॥ व क व द ना मि न य ना मि य र्थ व क या ल ध ना २ वा म ह्य र्धं

विदल
पद्मा

गकमलयागु दहिनकयनिधया॥ ॥यं वमूडाखिगर्जंगगीवनवमूडमाला २ ल
 त्तज्जिहामहारीमानववसनाठीसमान्विता॥ ॥सगगुपुवव(क्षिर्वधुगागावन्नि २
 नवज्जनरक्षीवज्जदवीवव(क्षिज्जज्जमायुगवत्ता॥ २१ ॥योगनिवयदवाकमस्रविकाधि
 गच्छिगिरासयकुमूदयियवत्तसमदलाश्वगुपवदनकवल्लयदल्लयन्ननयकाधिता॥
 ॥नमानि २क्षीमहामर्शेक्षीसकलगुहयायसयगुपु २क्रमनिदहनकुनवल्लयदसर्व
 ल्लननिधियाविता॥ ॥यथमगुज्जदयवज्जध्ववमूडाश्रुतिगधयाजिगा २दिनि
 यर्जकक्षधवहगियहूननसम्भ्वगुथेह्वप्रसश्रुद्धयधया॥ ॥उरयगुज्जयाधगुव

नधर्मवाय, वरुथवा मधुगयस्कका २ वतमकूटशी यद्वलिनकिचिय, यमधसुवृचिवया।
 भनिर्वृद्धि वृद्धिदायिमिगुलामिना, सर्वकृद्गानवियूल सागया २ वरुधायवधायनाम
 नि, यवसादिवज्जमनि। २२ ॥ १२ गगनास ॥ विष्णुः कृत्वा यद्विजयि मन्त्रास्तिगा वजयर्थ
 क्षीसनवरुधका २ यीरनीलवकसिगवर्त, यैववृद्धमक्षिमकूटधया। ॥ नमामि श्रीवारी
 ध्वय, गिरुवनशायिना धर्मधारुमलुलमलुना २ दवदवाधियवनसंयुक्ता, जूनगसादिसि
 द्धियसाया। ॥ अष्टमकुजमूलमैधेयकमूडा, दिनीयकवधवृद्धयानेयस्कका २ हनीयः
 कुजगकवाधवायधया, वरुथदसुवजयधधायिना॥ ॥ नानावला रुवधवमुदिरुसि